imports taking place from time to time, is not available. However, raw cotton is being imported chiefly from Egypt, Sudan, Turkey and Turkmenistan.

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय रेशम-उत्पादन परियोजना

4462. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय रेशन उत्पादन परियोजना प्रारंभ की है ;

(ख) यदि हां, तो उक्त परियोजना के अन्तर्गत किस प्रकार के कार्य किये जा रहे हैं; और

(ग) 1994–95 और 1995–96 के वर्षों के लिये क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा 31 दिसम्बर, 1994 तक कितना लक्ष्य प्राप्त किया गया ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकटस्वामी) : (क) तथा (ख) राष्ट्रीय रेशम उत्पादन परियोजना, जोकि अप्रैल, 1989 से मध्य प्रदेश के बस्तर जिले में कार्यान्वनाधीन है, में 2500 कृषको को लाभ देते हुये शहतूती बागान के अन्तर्गत 2000 एकत्र क्षेत्र शामिल करने पर विचार किया गया है । रेशम उत्पादन के विकास के लिये इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी सहायता प्रदान करने के लिये केन्द्रीय रेशम बोर्ड ने राज्य में निम्नलिखित एककों की स्थापना की है:—

1.	मल बीज फार्म	– 1
2.	खाद्यान्न	– 1
3.	तकनीकी सेवा केन्द्र	– 4
4.	प्रवर्शन–सह–प्रशिक्षण केन्द्र	– 1
5.	कोसा बाजार	– 1
6.	कोसा रंगाई गृह	– 1
7.	कृषक प्रशिक्षण विद्यालय	– 1

(ग) वर्ष 1994–95 के लिये निर्धारित लक्ष्यों की तुलना में 31–12–94 तक उपलब्धियों तथा वर्ष 1995–96 के लिए निर्धारित लक्ष्य निम्न प्रकार है:—

	1994–95	1994–95	
	प्राप्त	लक्ष्य (31–12–94 तक)	लक्ष्य
शहतूती बागान (एकड़)	50	36	350
लाभ भोगी (कृषक)	50	45	350
कोसा उत्पादन (टन)	18	2.13	17.5
कच्ची रेशम का उत्पादन (टन)	1	0.21	1.75
रेशम कीट बीज उत्पादन (रोग मुक्त चकते)	1	0.25	0.7
शहतूती कलमों की आपूर्ति (सं० लाख)	18.5	7.75	22.75
कृषकों तथा रीलरों को प्रशिक्षण (व्यक्ति)	260	69	566